

कारोबारी सुगमता

लो कसभा ने जन विश्वास (उपवंशों का संसोधन) विधेयक, 2023' को मंजूरी दे दी। इसमें कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन कर छोटी-मोटी गड़बड़ियों को अपार्टमेंटों के संस्थापक और भारतीय कारोबार जगत के दिमाज - जहांगीर रतनजी लालार्हा टाटा यह और भी बहुत कुछ थे। जैसा कि हम 29 जुलाई को उनकी 119वीं जयंती मना रहे हैं, हम जेरारडी की कुछ अग्रणी पहलों पर नजर डालते हैं जिन्होंने हमारे देश की विकास गाथा को गति दी है।

1938 में जब जेरारडी टाटा को टाटा समूह के शीर्ष पर परदान लिया गया, तो वह टाटा संस्कृत के सबसे कम उम्र के सदस्य थे। उनके नेतृत्व के अपार्टमेंटों में हमारे समूह ने रसायन, आंतोमोबाइल, चाय और सुचना प्रौद्योगिकी में विस्तार किया। अपने ही परिवार के सदस्यों द्वारा अलग-अलग ऑपरेशन संचालित करने की भारतीय व्यावसायिक प्रथा को नोडेंट हुए, जेरारडी टाटा ने पेशेवरों को लाने पर जोर दिया। उन्होंने टाटा समूह को एक विजनेस फेडरेशन में बदल दिया जहां उद्यमशीलता की प्रतिभा और विशेषज्ञता को सफल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जेरारडी टाटा ने 1939 से 1984 तक, चार दशकों से अधिक समय तक निदेशक मंडल के चेयरमैन के रूप में टाटा स्टील का नेतृत्व किया। कपणी के चेयरमैन के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान, उन्होंने 1947 से पहले एक इंपोरियल कालोनी से स्वतंत्रता के प्रार्थक वर्षों और लोकतांत्रिक समाजवाद के साथ भारत के प्रयोग तक देश के रूपांतरण को देखा।

जेरारडी ने तकनीकी प्रगति, कर्मचारी सुकृता और सतत विकास पर जो जोर दिया, वह टाटा समूह के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। उनके दृष्टिकोण के अनुरूप, टाटा स्टील ने हाथ स्थान पर प्रत्येक कर्मचारी के लिए सुकृता, संस्करण और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए वैशिक संतोषमय और प्रगतिशील वर्षों और अपनाएं को अपनाया है, साथ ही अपना स्वयं को सुधार होगा। भारत को यह मुकाबले दो साल पहले ही प्राप्त होने की संभावना है। ऐसले अनुमान में भारत के 2029 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना जतायी गयी थी। फिल्हाल भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

जेरारडी के लिए उन्होंने भारत मार्च 2023 के वार्षिकजीडीपी आंकड़े के आधार पर 2027 (वित्त वर्ष 2028-29) के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का अनुमान जताया है जो पहले एक अनुमान से दो साल कम है। यह नियंत्रित प्रधानमंत्री ने अपनी वर्ष 2023-24 में जिसमें उन्होंने भारतीय जनता की भारतीय जनता पार्टी की अग्रवाल वाली राजग सरकार के तीसरे कार्यकाल में देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर (स्थिर मूल्य पर) 2023-24 में 6.5 प्रतिशत रहेगी। देश ने 2014 के बाद से जिस रस्ते को चुना है, उससे पता चलता है कि भारत मार्च 2023 के वार्षिकजीडीपी आंकड़े के आधार पर 2027 (वित्त वर्ष 2028-29) के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। वर्ष 2024 से तुलना की जाए तो समय भारतीय अर्थव्यवस्था 10वें स्थान पर थी। इस लिहाज से इसमें सात स्थानों का सुधार होगा। भारत को यह मुकाबले दो साल पहले ही प्राप्त होने की संभावना है। ऐसले अनुमान में भारत के 2029 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना जतायी गयी थी। फिल्हाल भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में रुक्ठ वृद्धि दर 8.1 प्रतिशत रहेगी। इससे कुल मिलाकर वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। देश के लिये 6.5 से 7.0 तक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। देश के लिये 6.5 से 7.0 प्रतिशत रहेगी। तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत के लिये किसी भी मानदंड से एक उल्लेखनीय उपलब्धि होगी।

अभियानि



जेरार डी टाटा : भारतीय स्टील उद्योग के प्रेरक



- सत्येन्द्र सिंह

टाटा स्टील की ब्लास्ट फर्नेस की परियाण को संचालित करना संभव नहीं होता।

उस समय, आईबीएम 1401 को एक ऐसी मरीनोन के रूप में वर्षित किया गया था जो इलेक्ट्रोनिक मेमोरी उपकरणों के मध्यम से बड़ी मात्रा में संख्यात्मक और वर्णमाला संबंधी जानकारी संग्रहीत करती थी। किसी भी वस्तु का तेजी से पाला लगाया जा सकता है और उसका उपयोग गणना, विशेषण, वर्गीकरण, तुलना करने और अवश्यक आकार में जरूरी जानकारी के साथ प्रबंधन प्रदान करने के लिए यह सकता है।

आम लोगों में भी जान की भूख होती है, असाधारण लोगों में सेवा की भूख होती है।

जेरारडी ने अपने जीवनकाल में जितने मील के पथर हासिल किए हैं, उनमें टाटा कंप्यूटर सेंटर की स्थापना करना, जिसे अब दुनिया टीमीएस के नाम से जानती है, एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। यह 1960 के दशक के अंत में हुआ था जब मानव श्रम को प्रतिस्थित करने की क्षमता के कारण कंप्यूटर को अंत में हुआ था जब मानव श्रम को प्रतिस्थित करने के लिए साथ देखा जाता था। टीमीएस के शुरूआती अनुबंधों में से एक टाटा स्टील के लिए पंचकार्ड सेवाओं की शुरूआत थी। जेरारडी के भवियत-केन्द्रित दृष्टिकोण को तात्पार्य देखा जाता है। हांगकांग के साथ चाइना मीनिंग पोर्ट ने गविवार को खबर दी कि सेवा में शामिल किए गए पोतों में 075 प्रकार के बहेत तेज गति वाले युद्ध जहाज शामिल हैं जो 30 हेलिकॉप्टरों और सेकड़ों सैनिकों को ले जा सकते हैं। यह चीन का सबसे विशाल युद्धिक पोत है जो करीब 40,000 टन तक पानी को हटा सकता है। जानकारों की माने तो ये युद्धितों और निवेश में सबसे अगे वाली हुई है जो व्यावसायिक मूल्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

टेटा लोकतांत्रिकों के साथ देखते हुए, टाटा स्टील ने एक डेटा प्लेटफॉर्म बनाने में भी निवेश किया है जो आंतरिक और बाहरी दोनों हितधारकों की मदद करते हुए व्यावसायिक दृष्टिकोण को अपनाकर प्रौद्योगिकी अपनाने और निवेश में सबसे अगे वाली हुई है जो व्यावसायिक मूल्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सरकारी अखबार चाइना डेली ने खबर दी कि 09 प्रकार की पनडुब्बी चीन के पमाण ऊर्जा संचालित संचालन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला। देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व में, उत्तर अवधि के दौरान कंप्यूटरीय और स्टेलर के अंतर्गत टाटा स्टील ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला।

देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व के अंतर्गत टाटा स्टील ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला।

देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व के अंतर्गत टाटा स्टील ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला।

देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला।

देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला।

देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला।

देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व में टाटा संस्कृत ने अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर डिवीजन खोला।

देश के लिए पहली बार, 1967 में, टाटा स्टील के अकाउंट्स डिवीजन में तकालीन न्यू आईबीएम 1401 कंप्यूटर सिस्टम का उद्घाटन किया गया था। जेरारडी के नेतृत्व ने एक दशक पहले, जेरारडी के नेतृत्व

